A–0114

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

BAHL 201

BACHELOR OF ARTS (BA)

पद्य साहित्य

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :- यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :- खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पद्य साहित्य के विकास में भक्तिकाल का योगदान विस्तार से समझाइए।

2. हिन्दी काव्य रूपों के विकास क्रम को रेखांकित कीजिए।

3. हिन्दी साहित्य के आदिकाल के उद्‌भव एवं विकास पर एक विस्तृत निबंध लिखिए।

4. रीतिकालीन साहित्य और समाज के बीच संबंधों की व्याख्या कीजिए।

5. 'हरिऔध' कृत काव्य 'प्रियप्रवास' के भावपक्ष एवं कलापक्ष का विवेचन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :- खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. महाकाव्य और खंडकाव्य में अंतर स्पष्ट कीजिए।

2. रीतिकाल की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं।

3. बिहारीलाल की 'बिहारी सतसई' का साहित्यिक योगदान क्या है।

4. भक्तिकाल और रीतिकाल के साहित्य में अंतर स्पष्ट कीजिए।

5. 'साकेत' महाकाव्य की मुख्य विशेषताएँ बताइए।

6. निराला की काव्य रचना 'सरोज स्मृति' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

7. 'सूरसागर' का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

8. पद्‌माकर के रचना संसार को संक्षेप में समझाईये।

****